माश्को परिो जनजाति

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में अतिक्रमण तथा **भोजन एवं सुरक्षा की तलाश** के कारण, [पेरू](#) में पूर्व काल से ही संपर्कविहीन रही **माश्को पीरो जनजाति** पाई गई है।

- माश्को परिो विश्व की सबसे **बड़ी संपर्क रहित जनजाति** है, जिसके **750 से ज़्यादा सदस्य** हैं। वे पारंपरिक रूप से [अमेज़न वर्षावन](#) में अलग-थलग रहते हैं।
  - वे कभी-कभी **यिनि समुदाय** के साथ संवाद करते हैं, जिनके साथ उनकी भाषा और वंशावली समान है, लेकिन क्योंकि वे **रोगों से प्रतिरक्षित नहीं** हैं, इसलिये ये संपर्क उनके स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकते हैं।
  - **1880** के दशक के **रबड़ बूम** के दौरान, रबड़ के दिग्गज व्यापारियों ने उनके क्षेत्र पर आक्रमण किया, उन्हें गुलाम बनाया और गंभीर अत्याचारों के अधीन किया।
- वर्ष 2002 में पेरू ने उनकी सुरक्षा के लिये **माद्रे डी डिओस** प्रादेशिक रिज़र्व की स्थापना की, लेकिन यह प्रस्तावित क्षेत्र के केवल एक तिहाई हिस्से को ही कवर करता है।
- **पेरू:**
  - पश्चिमी दक्षिण अमेरिका में स्थित यह देश **इक्वाडोर, कोलंबिया, ब्राज़ील, बोलीविया, चिली और प्रशांत महासागर** से घिरा हुआ है।
  - **अमेज़न बेसिन वर्षावन से लेकर एंडीज़ पर्वतमाला** तक फैले पारिस्थितिकी तंत्र के साथ यह एक **अत्यंत विविधतापूर्ण राष्ट्र** है।
  - यह अपने उष्णकटिबंधीय अक्षांश, पर्वत शृंखलाओं और दो महासागर धाराओं (**हम्बोल्ट और अल नीनो**) से प्रभावित है।
  - **प्रमुख उत्पादक:** लिथियम, सीसा, जस्ता, सोना, ताँबा और चाँदी।

//

और पढ़ें : [पेरू में 4,000 वर्ष पुराना मंदरि]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mashco-piro-tribe